थारे सेठ जी रो सेठ म्हारो बाप लागे भजन लिरिक्स

अइंया आंख ना दिखाओ,
थाने पाप लागे,
थारे सेठ जी रो सेठ,
म्हारो बाप लागे।bd।

मिनख जमारो,
दोरो पायो,
जग में बस,
अभिमान कमायो,
ओ झूठे रोब ने,
दिखवान में के धाक लागे,
थारें सेठ जी रो सेठ,
म्हारो बाप लागे।bd।

श्याम की माया,
श्याम ही जाने,
रंक ने राजा,
पल में बनावे,
थारे म्हारे में के,
अलग अलग छाप लागे,
थारें सेठ जी रो सेठ,
म्हारो बाप लागे।bd।

बस इतनी सी,
बात जानलो,
'शुभम रूपम' थे,
गाठ बांध लो,
सागे सागे सबके,
चालन में बड़ी शान लागे,
थारो म्हारो सबको सेठ,
सांवरो सबको बाप लागे।bd।

अइंया आंख ना दिखाओ,
थाने पाप लागे,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

थारे सेठ जी रो सेठ,
म्हारो बाप लागे।bd।

स्वर – शुभम रूपम।
प्रेषक – हरीश गोयल।
9375890614

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com